मनोवृत्ति मापन के लिकर्ट पैमाना की प्रविधि की विवेचना करें? या लिकर्ट की तीव्रता योग मापक पद्धति का वर्णन करें?

सन 1932 में लिकर्ट ने थर्सटन से कुछ भिन्न तथा सरल पैमाने (scale) का निर्माण किया और उसकी सहायता से विभिन्न समूहो के साम्राज्यवाद (Imperialism), अन्तर्राष्ट्रीयता और नीग्रो के प्रति मनोवृत्तियों को जानने का प्रयास किया। लिकर्ट ने मनोवृत्ति की माप के लिए जिस पैमाना का निर्माण किया वह लिकर्ट का पैमाना के नाम से जाना जाता है। यह पैमाना तीव्रता योग मापक पद्धति (Technique of Summated ratings) पर आधारित है। इसे मनोवृत्ति मापन की आंतरिक सम्बद्धता प्रणाली (method of internal consistency) भी कहा जाता है। यह पद्धति थर्सटन की सम-विस्तार पद्धति (Therston's Equal appearing intervals scale) के समान ही है। अन्तर केवल पैमाना मूल्यो के निर्धारण का है। इस पद्धति में पैमाना मूल्यों के निर्धारण के लिए कथनो को व्यवस्थित एवं छटनी करने के लिए बड़ी संख्या में निर्णायकों की आवश्यकता नही होती। यह पद्धति कम जटिल, कम श्रम वाली तथा थर्सटन प्रणाली के समान ही विश्वसनीय परिणाम देनेवाली है।

लिकर्ट के मनोवृति मापक पैमाने का निर्धारण करने के लिए निम्नांकित चरणों से गुजरना पड़ता है:-

(1) सर्वप्रथम थर्सटन विधि के समान ही इनमें भी किसी विषय पर लोगों की मनोवृति मापने के लिए उस विषय के सम्बन्ध में पक्ष और विपक्ष को बताने वाले अनेक कथनों का संकलन किया जाता है। इन कथनों को अत्यधिक अनुकूल मनोवृतिसे लेकर अत्यधिक प्रतिकूल मनोवृति के क्रम में लिख लिया जाता है। लिकर्ट ने अमेरिका में उत्पन्न जापानियों के प्रति मनोवृति को मापने के लिए 99 कथनों का चुनाव किया था जो पक्ष और विपक्ष की राय की सभी तीव्रताओं को प्रकट करने वाले थे।

(2) दूसरे स्तर पर प्रत्येक कथन के सामने मनोवृति का माप करने वाले कुछ वैकल्पिक उत्तर प्रस्तुत किए जाते हैं यह वैकल्पिक उत्तर तीन, चार, पाँच अथवा छः बिन्दुओं वाले हो सकते हैं लेकिन सबसे अधिक प्रचलन पाँच बिन्दुओ वाले वैकल्पिक उत्तरों का है।

इन पाँच बिन्दुओ को कथन के आगे इस प्रकार प्रस्तुत कर दिया जाता है:-
(क) अत्यधिक सहमत (Strongly agree) (ख) सहमत (Agree) (ग) अनिश्चित (Undecided) (घ) असहमत (Disagree) (ङ) अत्यधिक असहमत (Strongly Disagree)। इसके पश्चात इन सभी उत्तरो के लिए एक क्रमिक भार (weight) प्रदान कर दिया जाता है जो 5, 4, 3, 2, तथा 1 या 1, 2, 3, 4 और 5 के रूप में हो सकता है। उदाहरणार्थ – अतीत में अनुसूचित जनजातियों की स्थिति को देखते हुए आज उन्हे आरक्षण की सुविधा मिलना उचित है पूर्णतया सहमत / सहमत /

Scanned with CamScanner

अनिश्चित / असहमत / अत्यधिक असहमत।

(3) उपयुक्त ढंग से पैमाने का निर्माण करने के पश्चात् एक बड़ी संख्या में उत्तरदाताओं को संकलित कथनों की सूची देकर उन्हें यह निर्देश दिया जाता है कि वे अपने दृष्टिकोण के अनुसार प्रत्येक कथन की श्रेणी निर्धारित करने के लिए उत्तरों के विकल्पों में से किसी एक पर निशान लगाएँ। लिंकर्ट ने अपने अध्ययन में चुने हुए 99 कथनों को 500 व्यक्तियों में वितरित किया और उन्हें निर्देश दिया कि प्रत्येक कथन को पाँच में से किसी एक श्रेणी में रखें और इस क्रम से सम्बन्धित अंकों में भार भी दे दें।

(4) इसके पश्चात् प्रत्येक व्यक्ति के सभी कथनों से सम्बन्धित भार अंकों का कुल योग (Total Score) ज्ञात कर लिया जाता है।

(5) प्रत्येक व्यक्ति के कुल भार अंक (Total Score) मालूम होने के बाद उन अंकों को उनकी मात्रा या विस्तार के अनुसार क्रम में व्यवस्थित कर लिया जाता है जिसमें अधिकतम अंकों को सबसे ऊपर लिखा जाता है। इसके बाद कुल प्राप्तांकों की संख्या को चार चतुर्थकों (Quartiles) या चार समान भागों में विभाजित करके पहले और अंतिम चतुर्थक पदों को पैमाना मूल्य ज्ञात करने के लिए चुन लिया जाता है। यह चतुर्थक किसी विशेष विकल्प के प्रति उत्तरदाताओं की अधिकतम और न्यूनतम सहमति के स्तरों को स्पष्ट करते हैं। इसके उपरांत पहले और अंतिम चतुर्थक की इकाइयों को आवृत्ति बंटन के रूप में से जोड़ लिया जाता है तथा उनके भार को ज्ञात मानते हुए दोनों वर्गों (पहले और चौथे चतुर्थक) माध्य मूल्य (Mean value) ज्ञात कर लिया जाता है। इस प्रकार दोनों वर्गों के माध्य मूल्य में जो अन्तर स्पष्ट होता है उसी को पैमाने का मूल्यमान लिया जाता है।

विभिन्न कथनों से सम्बन्धित मनोवृत्तियों की वैधता को जाँचने के लिए आलोचनात्मक अनुपात (Critically ratio) ज्ञात किया जाता है जिसका सूत्र इस प्रकार है:-

$$\text{Critical ratio} = \frac{\Sigma fx_1 - \Sigma fx_2}{\Sigma fd_1^2 + \Sigma fd_2^2} \quad \text{Where } \Sigma fd_1^2 = \Sigma fx_1^2 - N(M_1^2)$$

(6) ➤ पैमाने के द्वारा मनोवृत्तियों की माप की उपयुक्त प्रणाली को स्वेच्छिक विधि (Arbitrary method) तथा सिग्मा विधि (Sigma method) दोनों के द्वारा ही विकसित किया जा सकता है। इसके पश्चात् भी स्वेच्छिक विधि का प्रचलन इसलिए अधिक है कि इसमें एक ओर कम श्रम की आवश्यकता होती है तथा दूसरी ओर इसकी विश्वसनीयता सिग्मा विधि के समान ही है।

वास्तविकता यह है कि मनोवृत्तियों की तीव्रता का माप करने में आज लिकर्ट के पैमाने को कहीं अधिक उपयोग में लाया जाता है। इस पैमाने की विश्वसनीयता किसी भी प्रकार थर्सटन के पैमाने से कम नहीं है, जबकी इसकी उपयोग विधि थर्सटन

के पैमाने से कहीं अधिक सरल है।

साधारणतया तीव्रतामापक पैमानों का उपयोग किसी विशेष स्थिति, कार्यक्रम या व्यवहार के प्रति लोगों की मनोवृत्तियों की तीव्रता को जानने के लिए किया जाता है। वर्तमान युग में विभिन्न व्यवहारों के प्रति लोगों की रुचि का माप करने के लिए भी ऐसे पैमानों का उपयोग बढ़ता जा रहा है। यह पैमाना अपनी सरलता, लचीलेपन और विश्वसनीयता के कारण अधिक लोकप्रिय हुआ है। विगत चुनावों में नेताओं की लोकप्रियता तथा विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रति जनसाधारण की मनोवृत्तियों की माप करने के लिए भी तीव्रता मापक पैमानों का बहुत अधिक उपयोग किया गया है। यह सच है कि यदि उत्तरदाता किसी घटना के प्रति पहले से ही पक्षपात दृष्टिकोण अपनाये हुए हो तो ऐसे पैमानों से प्राप्त निष्कर्ष कुछ असत्य हो जाते हैं लेकिन तो भी यदि विभिन्न दशाओं से सम्बन्धित सूचकों का निर्माण सावधानीपूर्वक किया जाय तो ऐसे पैमाने मनोवृत्तियों की तीव्रता को जानने का एक सफल माध्यम सिद्ध हो सकते हैं।

S. N. Choudhary
1
L.N.M.U

Scanned with CamScanner